द्वितीय दीक्षा के लिए प्रार्थी की आवश्यक योग्यता

प्रार्थी का नाम .....

स्वीकृति प्रदान करने वाले मंदिर / नामहट्ट का नाम .....

- ☐ मंदिर समिति द्वारा संस्तुति पत्र
- ☐ तीन ब्राहमणों द्वारा स्वीकृत पत्र (वैकल्पिक)
- ☐ द्वितीय दीक्षा हेतु व्यवंाहारिक अंक तालिका
- ☐ व्यक्तिगत प्रश्नावली
- ☐ तत्वज्ञान परीक्षा (शिक्षित प्रार्थियो के लिए विस्तृत परीक्षा / ६०: कम से कम)
- ☐ तत्वज्ञान परीक्षा (अशिक्षित प्रार्थियो के लिए वैकल्पिक परीक्षा / ९०: कम से कम)
- ☐ द्वितीय दीक्षा के लिए शपथ पत्र (वैकल्पिक)
- ☐ शिष्य का आज तक का ब्यौरा / प्रतिवेदन और पता
- ☐ साक्षात्कार का परिणाम
- ☐ फोटो (डिजिटल अथवा हार्ड कापी)

परीक्षक / सर्वेक्षक की स्वीकृत : पूर्ण ☐ अपूर्ण ☐

परीक्षक का नाम:..... विषय:.....

हस्ताक्षर .....

साक्षात्कार के पश्चात श्रील जयपताका स्वामी का निर्णय

☐ स्वीकार / दीक्षा के लिए योग्य है।

☐ वर्तमान दीक्षा के लिए अस्वीकार ।

निम्नलिखित क्षेत्रो मे विकास की आवश्यकता

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....

धन्यवाद

.....

श्रील जयपताका स्वामी (हस्ताक्षरित)

अन्तराष्ट्रीय श्रीकृष्णभावनामृत संघ

संस्थापकाचार्य:- कृष्णकृपामूर्ति भक्तिवेदान्त स्वामी प्रभुपाद

केन्द्र: ..... दिनाँक: .....

ब्राह्मण दीक्षा के लिए कार्यकारी स्वीकृति

सेवा में (दीक्षा गुरू का नाम) .....

कृप्या मेरा विनम्र प्रणाम स्वीकार किजिए। श्रील प्रभुपाद की जय हो

_____के लिए ब्राह्मण दीक्षा के लिए स्वीकृति देना मेरे लिए हर्ष का विषय है मेरी पूर्ण जानकारी के अनुसार प्रभु / माताजी ने ब्राह्मण दीक्षा के लिए आवश्यक योग्यता परिपूर्ण कर ली है। पिछले 12 माह से प्रभु / माताजी सहयोगपूर्ण भक्तिपूर्ण सेवाओ मे लगे हुए है। वह नियमित रूप से 16 माला का जप करते / करती है। वह चार नियमों के प्रति सचेत है। प्रथम दीक्षा प्राप्त किये हुये इन्हे एक वर्ष से अधिक समय हो चुका है इन योग्यताओ का मैने व्यक्तिगत रूप से परिक्षण किया है अथवा मैने उनके बारे मे विश्वसनीय स्त्रोतो से जानकारी प्राप्त की है।

सामान्य और आध्यात्मिक जानकारी

आध्यात्मिक नाम: _____प्रथम दीक्षा की तिथि व स्थान

प्रथम नाम _____ पारिवारिक नाम _____

जन्म तिथि _____ पुरूष □ स्त्री □ आयु: _____राष्ट्रीयता _____

अध्यात्मिक सेवाँए _____व्यवसाय (यदि कार्यरत है) _____

वर्तमान पता _____

शहर _____राज्य / देश _____डाक कोड न० _____

देश _____ फोन न० धर _____ कार्यालय _____ फैक्स _____

स्थायी पता _____

शहर _____राज्य / देश _____डाक कोड न० _____

देश _____ फोन न० धर _____कार्यालय _____फैक्स _____

वैवाहिक स्थिति□ अविवाहित □ खोज रहै है □ सगाई हो गई है □ तलकशुदा/अलग रहते है□ विधवा

पति / पत्नी का नाम _____ जीवनसाथी का कृष्णभावनामृत स्तर _____

बच्चो का नाम और उनके जन्म का साल / उम्र _____

क्या आप इस्कॉन भक्त की सन्तान है □ हाँ □नही □ सम्बन्धी भक्त का नाम _____

_____ कितने साल / महीने से कृष्णभावनामृत से सम्पर्क मे है।□ मंदिर मे नही रहते है।

मंदिर अथवा मंदिर समुदाय मे रहते है □हाँ क्या किसी मंदिर से जुडे है। _____

क्या आपने हरिनाम दीक्षा किसी अन्य गुरू से भी है□हाँ□नही,

यदि हाँ हरिनाम दीक्षा के गुरू का नाम _____

शिक्षा गुरू का नाम _____

पथप्रर्दशक भक्त _____

ई-मेल इंटरनेट सुविधाँए

ई-मेल (व्यक्तिगत/सर्म्पक) _____

ब्राह्मण दीक्षा के लिए प्राथामिक योग्यताँए :

ब्राह्मण दीक्षा की अंक तालिका के लिये नोट: व्यावाहारिक ज्ञान	ठीक है	दिनाँक
1. सप्ताह मे कम से कम कितनी बार मंदिर जाते है (जब तक मंदिर नही जाने का कोई योग्य कारण न हो)		
2. नामहट्ट या इस्कॉन की अन्य गतिविधियों या मन्दिर मे सेवाएँ अर्पित करने के लिए उत्साह का एक उत्तम कारण बनना		
3. निम्नलिस्ति पुस्तके कितनी बार पढ़ी है।		
भगवद्गीता यथारूप - ३+		
श्रीमद् भागवतम प्रथम स्कन्ध - २+		
श्रीमद् भागवतम के अन्य स्कन्ध - +		
उपदेशामृत - १ बार		
भक्तिरसामुतसिंधु - १ बार		
अन्य पुस्तके - बार		
4. अपमानजनक और भक्तिरहित गतिविधियों से बचना जैसे निम्नलिखित है।		
कृष्णभावनाभावित कारण के बिना सांसारिक टी० वी० देखना		
कृष्णभावनाभावित कारण के बिना सांसारिक चलचित्र देखना		
कृष्णभावनाभावित गतविधियों और अपने आश्रम से संबंधित गतविधियों को नजरअंदाज करना		
घरेलू और आनाधिक्रत झगडे		
प्रजल्पा करना		
भक्तो को सच न बोलना / बेइमानी करना		

	ठीक है	दिनाँक
अफवाह फैलाना अथवा कूट–नीति की और झुकाव		
आध्यात्मिक समितियों के प्रति राजनैतिक और आपराधिक गतिविधियाँ		
अन्य अपमानजनक और भक्तिरहित कार्य करना जिसकी गुरू और स्थायी समितियों की स्वीकृति न हों		
5. कृष्णभावनामृत के प्रचार मे रूचि दिखाना और आध्यात्मिक कक्षाओ के आयोजन के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करना		
6. निम्नलिखित मे से एक या अधिक		
* मंदिर / मंदिर समिति द्वारा प्रतिष्ठित ग्रह मे निवास करना		
* जनसमूह का एक सक्रिय सदस्य जो नियमित रूप से मंदिर की सेवाओ मे भाग लेता है।		
* नामहट्ट और भक्तिवृक्ष कार्यक्रम का एक सक्रिय सदस्य कार्यक्रम जिसे मंदिर समिति और गुरू महाराज ने स्वीकृति दी हो पर जो उपर ना दिया गया हो		
7. निष्कपट और नियमित रूप से 16 माला का जाप करना और 4 नियम का पालन करना		
8. पिछले 2 वर्षो मे कोई गंभीर आध्यात्मिक पतन अथवा पिछले एक वर्ष मे किसी नियम का उलंघन न हुआ हो		
9. कम से कम 66% अंको से तत्वज्ञान परीक्षा उर्त्तीण करना		
10. कम से कम 90% अंको से व्यवहारिक परीक्षा उर्त्तीण करना (प्रर्थानाँए, परंपरा, वैष्णव सदाचार और आधारभूत ज्ञान)		
11. व्यक्तिगत प्रश्नावली का सुव्यवस्थित रूप से उत्तर देना और अविजय अथवा कोई गंभीर रूकावट उत्पन्न न हुई हो		
12. स्थायी मंदिर अध्यक्ष / नामहट्ट नेता / श्रेत्रीय नामहट्ट निर्देशक द्धारा स्वीकृति पत्र प्राप्त करना		

व्यक्तिगत प्रश्नावली श्रील जयपताका स्वामी

ब्राह्मण दीक्षा के लिए

1. नीचे दिए गए विकल्पों मे से आप किस विकल्प के अन्तर्गत आते है (सही पर चिन्ह लगाँए)

☐ मैं मंदिर आश्रम में रहकर सेवा करता / करती हूँ।

☐ मैं घर में रहकर नियमित रूप से आाध्यात्मिक सेवा करता / करती हूँ।

☐ ईंस्कान मंदिर (यदि हाँ तो मंदिर का नाम .....)

☐ स्थानीय नाम हट्ट (यदि हाँ, नाम हट्ट का नाम .....)

☐ मै स्थानिय भक्तिवृक्ष कार्यक्रम से भी सम्बन्धित हूँ और नियमित रूप से उपस्थित होता/होती हूँ

☐ अन्य .....

2. क्या आप नियमित रूप से हरे कृष्ण महामन्त्र की 16 माला का जाप करते है।
दो साल अथवा जब से ब्राह्मण दीक्षा लेना चाहते है।
( ) (☐ हाँ ☐ नही)

A) औसत रूप से एक महीने मे कितनी छूटी। .....

B) क्या आप छूटी माला पूरी करते है (हाँ ☐ नहीं ☐)

3. क्या आपने पिछले वर्षों में कभी 4 नियमों का उल्लंघन किया है? हाँ ☐ नही ☐

4.A) क्या आप नियमित रूप से घर में या मन्दिर में मंगला–आरती करते है? हाँ ☐ नही ☐

b) एक महीने में औसत कितनी छोडते है? .....दिन

5. क्या आप पिछले 12 माह से भक्ति सेवाओं में स्थिर हैं? हाँ ☐ नही ☐

6.A) क्या आपने कभी मन्दिर समिति के आदेश के बिना नाम हट या अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना बन्द किया है? हाँ ☐ नही ☐

b) क्या आपने कभी अपनी इच्छा से हरिनाम दीक्षा के बाद अपने गुरू की अवज्ञा की है? हाँ ☐ नही, ☐
यदि हाँ, कब (समय, स्थान आदि) .....

7. क्या आप रोज सुबह जल्दी नहाते है और सफाई बनाए रखते है? (हाथ के नाखून, बाल, कपड़े आदि) हाँ ☐ नही ☐

8. क्या आप पिछले 2 वर्षों मे कोई बेइमानी का कार्य किया है जैसे चोरी या राज्य के कानून तोडना आदि। हाँ ☐ नही ☐

9. क्या आप बच्चों को गाली देते है? (हाँ ☐ नही ☐)

10. क्या आपने पिछले 2 वर्षो मे किसी वरिष्ठ भक्त से झूठ बोला है। हाँ ☐ नही ☐

11. आपने निम्नलिखित पुस्तकें कितनी बार पढ़ी है:–

a) भगवदगीता यथारूप .....

b) श्रीमद भागवतम् प्रथम स्कन्ध .....

c) श्रीमद भागवतम् द्वितिय से पंचम स्कन्ध .....

d) श्रीमद भागवतम् षष्ठम् से नवम् स्कन्ध .....

e) कृष्णा पुस्तक .....

f) चैतन्य चरितामृत (कौन सा भाग) .....

g) चैतन्य महाप्रभु का शिक्षामृत .....

h) भक्तिरसामृत सिन्धु .....

i) अन्य बी0 बी0 टी0 पुस्तके .....

12. क्या आप तनाव और भौतिक आसक्ति की और उन्मुख हैं? हाँ ☐ नही ☐

13. क्या आपने पिछले 2 वर्षों मे कभी इस्कान छोडने या आत्महत्या करने के लिये सोचा है? हाँ ☐ नही ☐

14. क्या आप किसी इन्द्रि की वजह से भय में है या आपको लगता हैं कि उसके कारण आपका आध्यात्मिक पतन हो सकता है? हाँ ☐ नही ☐
यदि हाँ, इन्द्रि का नाम/तनाव का कारण .....

15. क्या आप वैष्णव अपराध और वैष्णवों की निन्दा करने से बचते है? हाँ ☐ नही ☐
यदि ना तो बताइए क्यों .....

'गर्भाधना सस्कार जिसमें अपनी आध्यात्मिक क्रियाकलापो को बढ़कर गुरू और कृष्ण से भक्त पुत्र की प्राप्ति के लिये प्रार्थना करना है। क्या आप इसके लिए तैयार है। हाँ ☐ नही ☐ कोशिश करते है

b) यदि इस समय उपर दिए गए स्तर पालन नही कर रहे हो तो आप इसको करने के लिए तैयार है। हाँ ☐ नही ☐

c) अगर आप किसी कारणवश उपर दिए 'ए' स्तर का पालन करने का वादा नहीं कर सकते तो क्या आप दीक्षा के बाद नियमित वैवाहिक जीवन बिताऐंगे? हाँ ☐ नही ☐

d) यदि आप 'ए' का पालन नही कर पा रहें हैं तो स्पष्ट कीजिए की आप किन परेशानियों का सामना करना पडता है क्या आप परेशानी निम्नलिखित में से है या आप इसके लिए गुरू से बात करना ठीक समझते है।

1. मेरा जीवनसाथी भक्त नही हैं।
2. हम सन्तान नहीं चाहते, पर ब्रहमचार्य का पालन नहीं कर पाते।
3. हमारी सन्तान नहीं है। पर पूर्णरूप से ब्रहमचार्य का पालन नहीं कर पाते।
4. वैवाहित जीवन को बचाने के लिए आवश्यक है।
5. मै स्वयं ब्रहमचार्य का पूर्ण रूप से पालन नही कर पाता।
6. अन्य परेशानियाँ:– .....
   .....
7. मैं अपने गुरू को व्यक्तिगत रूप से बताउगाँ।

e) यदि आप 'ए' का पालन नहीं कर पा रहे हैं तो निम्नलिखित मे से किसका पालन करेगें।

1. वैसे तो पालन करतें हैं पर कभी–कभी नहीं कर पाते। हाँ ☐ नहीं ☐
2. महीने में एक बार (सन्तान प्राप्ति के लिये नहीं) हाँ ☐ नहीं ☐
3. महीने में एक से ज्यादा बार (सन्तान प्राप्ति के लिये नहीं) हाँ ☐ नहीं ☐
4. मनु संहिता के अनुसार
5. बिना किसी नियम के
6. अन्य कोई .....
   .....
7. मैं अपने गुरू को व्यक्तिगत रूप से बताउगाँ।

21) परिवार नियोजन के लिए

a) क्या आप आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं या भविष्य में भ्रूण हत्या कराऐगें। हाँ ☐ नही ☐

b) क्या आपने या आपके जीवनसाथी ने बंध्याकरण कराया है या कराऐगें। हाँ ☐ नही ☐

c) क्या आप निश्चित है कि आप भविष्य में न तो बान्धयाकरण कराऐगें और नही भ्रूण हत्या कराऐगें। हाँ ☐ नही ☐

22. क्या आप अपने बच्चों को कृष्णभावनाभावित बना रहे है। हाँ ☐ नही ☐

b) क्या आप उन्हं केवल प्रसाद और शाकाहारी भोजन देते है। हाँ ☐ नही ☐

16. क्या आपने व्यावहारिक अंकतालिका को हरिनाम दीक्षा के बाद पूर्ण कर लिया है? हाँ ☐ नहीं ☐

17. रितविक प्रथा से सम्बन्धित

a) क्या आपने रितविक प्रथा के बारे में सुना है?
हाँ ☐ नहीं ☐

b)☐ अखबार ☐ इन्टरनेट ☐ रितविक प्रथा के प्रचारकों द्वारा ☐ भक्तों द्वारा☐ अन्य

c) यदि सुना है, तो अपनी राय बताइए?
.....

d) क्या आप रितविक प्रथा में विश्वास रखतें है या आपको प्रो–रितविक प्रथा के प्रचार से शंका मे हैं?
हाँ ☐ नहीं ☐

18. भक्त जो मन्दिर से बाहर रहते है?

a) आप कितनी बार मन्दिर जाते है। .....

b) आप किसी नाम हट्ट कार्य मे भाग लेते है .....

c) क्या आप नियमित रूप से सूर्योदय से पूर्व जप करते हं। हाँ ☐ नहीं ☐

d) कौन से इस्कॉन मन्दिर और नाम हट्ट कार्यक्रम को नियमित रूप से भाग लेते है। .....

e) क्या आप किसी अन्य धार्मिक संस्था से जुडे है?
कौन सी? .....

f) क्या आप विवाहित है। हाँ ☐ नहीं ☐

g) यदि विवाहित नहीं है तो क्या आप निकट भविष्य में विवाह करना चाहते है या करने की योजना है।
हाँ ☐ नहीं ☐

h) अगर आप विवाहित नहीं है और विवाह नहीं करना चाहते तो क्या आप भविष्य मे मन्दिर से जुडना चाहते है। हाँ ☐ नहीं ☐
कब और क्यो नहीं .....
.....

i) क्या आप अपनी आजिविका का कुछ भाग भगवान श्री कृष्ण की सेवा में लगाते हैं। हाँ ☐नहीं☐
यदि हाँ तो जानकारी दीजिए .....
.....

j) क्या अपनी आध्यात्मिक सेवा को बढाने के लिये आपके पास योजना तथा क्षमता है। हाँ ☐ नहीं ☐
अगर हाँ तो क्या .....
.....

k) कृष्ण प्रसाद के अलावा अन्य सभी चीजो को पाने से बचते है। हाँ ☐ नहीं ☐
अगर नहीं, किस स्थिति मे .....
.....

19. अतिरिक्त प्रश्न केवल उनके लिए है जो विवाह करना चहाते है

a) जब भी आप विवाह करेगे तो क्या एक दिक्षित भक्त चुनेंगे और अगर उपस्थित न हो तो केवल शुद्ध शाकाहारी व्यक्ति से ही विवाह करेगे हाँ ☐नहीं ☐

b) क्या आप यह निर्णय लेने से पहले इस्कॉन और अपने गुरू से परामर्श लेगे। हाँ ☐ नहीं☐

c) क्या आप कृष्णभावनाभवित वैवाहिक नियमो के बारे मे जानते है। हाँ ☐ नहीं ☐

e) क्या आप यह सोचते है कि वैवाहिक जीवन के कारण आपकी वर्तमान सेवाए प्रभावित होगी।
हाँ ☐ नहीं ☐ अगर हाँ तो कैसे .....
.....

f) क्या आप की सगाई हो चुकी है। हाँ ☐ नहीं ☐

g) क्या आपका इससे पहले विवाह हुआ था?

h) भविष्य मे विवाह के सम्बन्ध में अपनी स्थिति स्पष्ट कीजिए? .....
.....

गृहस्थों के लिए प्रश्न जो विवाहित है (पत्नी के साथ रहते हैं) अगर गृहस्थ नहीं है तो खाली छोडे

नोटः– यह गुरू को बन्द लिफाफे में दिया जा सकता है (यह व्यक्तिगत जानकारी सभी की रोशनी मे आने की आवश्यकता नहीं है)

20. नियमित पारिवारिक जीवन

मैं पूर्ण रूप से ब्रहमचार्य का पालन करूँगा / करता हूँ।
(भाग – 22 में देखिये)

वैष्णव गृहस्थ जो केवल भक्त पुत्र प्राप्ति के लिए सम्बन्ध स्थापित करते है उन्हे गृहस्थ ब्रहम्चारी कहते है। ऐसा कोई नियम नहीं है कि आपकी कितनी संताने हो परन्तु संतान प्राप्ति का प्रयास माह मे केवल एक बार हो।

श्रील जयपताका स्वामी महाराज

अशिक्षित प्राथियों हेतु ब्रहामण दीक्षा की प्रश्नावली

सरल तत्वज्ञान परीक्षा (मौखिक और लिखित)

I. आवश्यक प्रश्न (उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य प्रश्न)

A. परम सत्य के तीन प्रकारो की व्याख्या करो?

B. ऐसी विशिष्ट योग पद्धति की व्याख्या करो जिसके द्धारा परम सत्य के तीनो प्रकारो का अनुभव किया जा सकता है?

II अतिरिक्त प्रश्न

1. परमात्मा, भगवान और ब्राहमण इन तीनो साक्षात्कारो मे से कौन अधिक परिपूर्ण है? वर्तमान युग मे आत्म–साक्षात्कार का कौन सा पथ अधिक उचित है?

2. भगवान चैतन्य महाप्रभु ने आध्यात्मिक सेवा की तुलना हदय मे भक्तिलता के बीजारोपण से की है। भक्तिलता को श्रवण, कीर्तन, जप और अन्य आध्यात्मिक सेवाओ द्धारा सींचा जाता है। उन दो प्रकार के खतरों का वर्णन करो जिसकी चेतावनी भगवान चैतन्य महाप्रभु द्धारा दी गई है? भक्तो के किस प्रकार इन खतरों से भक्तिलता का संरक्षण करना चाहिए।

3. ब्राहमण के गुणो का वर्णन करो?

4. ऐसे तीन उदाहरण दिजिए जिसके द्धारा ब्राहमण के आन्तरिक और बाहय गुणों को भक्तिमय सेवा मे प्रयोग किया जा सके?

5. 'मै कौन हूँ' यह आत्मसाक्षात्कार का आधारभूत प्रश्न है। चैतन्य महाप्रभु की शिक्षाओं के अनुसार यह स्पष्ट किजिए कि 'आप कौन है'?

6. जीवन की सर्वोच्च पूर्णता क्या है? उसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

7. भक्ति सेवाओ द्धारा मुक्ति को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है परन्तु क्यों एक भक्त कृष्णभावनामृत के प्रचार के लिए कष्ट और जोखिम उठाता है?

8. पंचतत्व कौन है? पंचतत्व किसका प्रतिनिधित्व करते है?

9. क्या मनुष्य भगवान बन सकता है? यदि हाँ तो विधि स्पष्ट किजिए? क्या भगवान का भौतिक जगत मे आर्विभाव मनुष्य की तरह है? भगवान श्री कृष्ण भौतिक जगत मे किस कारण से अवतरित होते है?

10. ब्राह्मण को द्विज क्यों कहा जाता है? ब्राह्मण को अपने कर्तव्यों के प्रति ज्यादा जागरूक रहना चाहिए? ब्राह्मण दीक्षा लेने के कौन से अतिरिक्त लाभ है जो किसी को ब्राह्मण दीक्षा लेने के लिए प्रेरित करते है?

दीक्षा हेतु स्वीकृति / प्रतिज्ञा पत्र

कृष्णकृपामूर्ति ओम विष्णुपाद श्रील जयपताका स्वामी का दिक्षित शिष्य होना मेरी नम्र प्रेममयी इच्छा और प्रार्थना है। यह स्पष्ट करते हुए की यह दीक्षा मेरे और मुझसे सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए क्या महत्व रखती है मै निम्नलिखित संकल्प करता/करती हूँ।

1. मैं जन्म–जन्म तक श्रील जयपताका स्वामी को अपने शिक्षा और दीक्षा गुरू के रूप मे स्वीकार करता हूँ। श्रील प्रभुपाद और गुरूपंरपरा की सेवा में श्रील जयपताका स्वामी का सहयोग करना मेरी इच्छा और वायदा है।
2. मै प्रतिज्ञा करता हुँ कि जीवनभर प्रभुपाद के आदेश, सदाचार, सिद्धांत, भगवत धर्म शास्त्र (भगवदगीता, श्रीमदभागवतम, चैतन्यचरितामृत) और श्रील जयपताका स्वामी से व्यवहार मे इस्कॉन के नियमों का पालन करूँगा / करूँगी।
3. मै चार नियम का पालन करने और निम्नलिखित पापपूर्ण गतिविधियों से बचने की प्रतीज्ञा करता/करती हुँ।

a.) प्याज, लहसुन, अंडा, मॉस, मछली इत्यादि का सेवन
b.) चाय, काफी, पान, बीड़ी, सिगरेट, शराब, गाँजा, भाँग, अफीम, सुपारी और तम्बाकु आदि का नशा
c.) जुआ तथा लाटरी इत्यादि
d.) परस्त्री तथा परपुरूष गमन

4. मै नियमित रूप से हरेकृष्ण महामंत्र की 16 माला जप करने की प्रतिक्षा करता/करती हुँ
5. मै श्रील जयपताका स्वामी द्धारा दिए गए सामान्य तथा असामान्य आदेशो का पालन करने की प्रतिज्ञा करता/करती हुँ मै उनके आदेशो को श्रील प्रभुपाद और भगवान श्रीकृष्ण की इच्छा मानूँगा/मानूँगी।
6. एक दिक्षित शिष्य के रूप मे मै यह समझता हूँ कि मै ब्रहम माधव गौड़ीय (इस्कॉन) शिष्य परंपरा जो कि श्रील प्रभुपाद से चली आ रही है इसकी शरण ग्रहण करने जा रहा हूँ। मै प्रतिज्ञा करता/करती हुँ कि श्रील जयपताका स्वामी द्धारा दिए गए आदेशो और दीक्षा को स्वीकार करूगाँ और उनके अप्रकट होने के पश्चात मै किसी प्रामाणिक गुरू जो श्रील प्रभुपाद का प्रतिनिधित्व करते है उनके आदेशो का पालन करूँगा/करूँगी।
7. मै श्रील प्रभुपाद के विस्तार के रूप इस्कॉन (अन्तराष्ट्रीय श्रीकृष्णभावनामृत संघ) के रूप के प्रति सदैव ईमानदार रहूँगा। जो कारण इस्कॉन और आध्यात्मिक गुरू के मिशन के लिए हानिकारक होंगें मै उन्से सचेत रहूँगा/रहूँगी।

दिक्षित का नाम _____

दिक्षित के हस्ताक्षर_____

दीक्षा का स्थान_____ दिनाँक_____

गवाह 1 2

_____

G) अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

1G) कर्मयोग, मिश्रित योग और भक्ति की प्रक्रिया को स्पष्ट करो?

2G) निराकारवादिता क्या है? इसे निकृष्ट क्यो माना गया है और इसकी रचना किसने की है?

3G) शून्यवादियो का तत्व ज्ञान क्या है? यह गलत क्यों है और इसकी शुरूआत किसने की?

4G) व्यासदेव की असंतुष्टि का क्या कारण था और उन्होने इसे किस प्रकार दूर किया?

5G) भगवान द्वारा भगवादगीता का उपदेश देते समय की परिस्थिति का वर्णन करो?

6G) सस्कृत और अपनी मातृभाषा मे कम से कम 15 श्लोक लिखिए?

तुलना हृदय मे भक्तिलता के बीजारोपण से की है। भक्तिलता को श्रवण, कीर्तन, जप और अन्य आध्यात्मिक सेवाओ द्वारा सींचा जाता है। उन दो प्रकार के खतरों का वर्णन करो जिसकी चेतावनी भगवान चैतन्य महाप्रभु द्वारा दी गई है? भक्तो के किस प्रकार इन खतरों से भक्तिलता का संरक्षण करना चाहिए।

4e) ब्राहमण के गुणो का वर्णन करो?

5e) ऐसे तीन उदाहरण दिजिए जिसके द्धारा ब्राहमण के आन्तरिक और बाहय गुणों को भक्तिमय सेवा मे प्रयोग किया जा सके?

6e) 'मै कौन हूँ' यह आत्मसाक्षात्कार का आधारभूत प्रश्न है। चैतन्य महाप्रभु की शिक्षाओं के अनुसार यह स्पष्ट किजिए कि 'आप कौन है'?

7e) जीवन की सर्वोच्य पूर्णता क्या है? उसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

8e) भक्ति सेवाओ द्धारा मुक्ति को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है परन्तु क्यों एक भक्त कृष्णभावनामृत के प्रचार के लिए कष्ट और जोखिम उठाता है?

9e) पंचतत्व कौन है? पंचतत्व किसका प्रतिनिधित्व करते है?

10e) क्या मनुष्य भगवान बन सकता है? यदि हाँ तो विधि स्पष्ट किजिए? क्या भगवान का भौतिक जगत मे आर्विभाव मनुष्य की तरह है? भगवान श्री कृष्ण भौतिक जगत मे किस कारण से अवतरित होते है?

11e) ब्राह्मण को द्विज क्यों कहा जाता है? ब्राह्मण को अपने कर्तव्यों के प्रति ज्यादा जागरूक रहना चाहिए? ब्राह्मण दीक्षा लेने के कौन से अतिरिक्त लाभ है जो किसी को ब्राह्मण दीक्षा लेने के लिए प्रेरित करते है?

F) व्यक्तिगत जीवन से संबधित प्रश्न

1F) चार नियम क्या हैं व इनका उल्लंघन क्यों नहीं किया जाना चाहिए?

2F) 16 माला जप करना क्यों महत्वपूर्ण है व जप के महत्व को स्पष्ट किजिए और जप न करने के क्या नकारात्मक प्रभाव है?

3F) प्रसाद पाने से पहले किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखाना चाहिए?

4F) एक व्यक्ति अपवित्र कब होता है तथा उसे स्नान क्यों करना चाहिए? अपवत्रिता के विभिन्न स्तरों को स्पष्ट किजिए और इन विभिन्न स्तरों से किस प्रकार पवित्र हो सकते है?

5F) एक ब्राह्मण के लिए और मंदिर मे स्वच्छता के स्तर की व्याख्या किजिए?

6F) मंदिर और विभिन्न आश्रामों मे रहने वाले स्त्री और पुरूष के मध्य किस प्रकार का उत्तम व्यवहार होना चाहिए। मन्दिर के अन्दर होने वाली वार्तालाप और सेवाओ के अतिरिक्त होने वाली वार्तालाप के आधार पर उत्तर दो।

7F) संकीर्तन का क्या महत्व है?

8F) यह आंदोलन संकीर्तन आंदोलन क्यों कहलाता है? इस सम्बंध मे मंदिर के महत्व को स्पष्ट किजिए?

9F) विग्रह कौन है ? उनकी सेवा के दौरान किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए?

C.) कृष्ण और पूर्णसत्य के संबंध मे प्रश्न

1C) कृष्ण कौन है? उन्हें क्यों ईश्वर, पुरूष, भगवान और आदिदेव के नाम से जाना जाता है? आप कृष्ण के गुणों के बारे मे क्या सोचते है? 'अहं सर्वस्य प्रभवो' के आधार पर उत्तर दिजिए?

2C) 'ये यथा मां प्रपधन्ते' 'जैसे ही कोई मेरी शरण मे आता है' के तात्पर्य को स्पष्ट किजिए?

3C) जीवन की सिद्धि क्या है? उसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

4C) कृष्ण और विष्णु के गुणों का उल्लेख किजिए?

5C) भगवान के दस अवतारों की विशेषताओं का वर्णन करो? भगवान के कितने अवतार हुए है? भगवान के विभिन्न अवतारों की व्याख्या करो?

6C) पंचतत्व की व्याख्या करें? पंचतत्व कौन है और कृष्णलीला मे यह किस रूप मे अवतरित हुए थे?

7C) भगवान द्धारा लिए जाने वाले अवतार के क्या लक्षण है? कुछ मूर्ख भगवान होने का दावा करते है हम उन्हे किस प्रकार चुनौती दे सकते है कि अगर वह भगवान है तो स्पष्ट करे / दिखाए?

8C) परमसत्य के तीन प्रकारों की व्याख्या करे? योग पद्धति द्धारा इन प्रकारों को किस प्रकार अनुभव किया जा सकता है?

9C) परमात्मा, भगवान और ब्राह्मण इन तीनों मे से कौन परिपूर्ण है? आज के युग मे आत्मसाक्षात्कार का कौन सा मार्ग उचित है?

D. शिष्य परंपरा के बारे मे

1d) शिष्य परंपरा क्या है और यह क्यों महत्वपूर्ण है? हमारे और अन्य वैष्णव संप्रदायों के क्या नाम है? अगर संभव हो तो इन संप्रदायों के प्रमुख आचार्यों का नाम बताइए?

2d) जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज से लेकर वर्तमान तक के संप्रदाय आचार्यों का नाम लिखिए? यदि संभव हो, चैतन्य महाप्रभु से वर्तमान तक की शिष्य परंपरा का वर्णन किजिए? श्री कृष्ण से लेकर माध्वाचार्य तक की शिष्य परंपरा का उल्लेख करो?

3d) 'तद्विद्धि प्रणिपातेन' श्लोक के तात्पर्य को स्पष्ट करो?

4d) दीक्षा गुरू, शिक्षा गुरू और वर्तमान पथप्रदर्शक गुरू क्या है? इस सबके साथ किए जाने वाले व्यवहार मे क्या अन्तर है?

5d) 'संस्थापकाचार्य' शब्द क्या सूचित करता है? श्रील प्रभुपाद का इस्कॅान भक्तों के साथ कैसा सम्बन्ध है?

6d) किस प्रकार श्रील प्रभुपाद पाश्चात्य देशो मे गए और वहाँ पर कृष्णभावनामृत का प्रचार किया?

E. कृष्णभावनामृत के सम्बन्ध मे

1e) आध्यात्मिक जीवन मे इच्छा का क्या कार्य है?

2e) सनातन धर्म क्या है?

3e) भगवान चैतन्य महाप्रभु ने आध्यात्मिक सेवा की

जयपताका स्वामी द्वारा ब्राहमण दीक्षा के हेतु तत्वज्ञान परीक्षा

भौतिक प्रकृति के प्रति

1a) प्रकृति के तीन प्रकारों का वर्णन किजिये इनके अर्न्तगत पाए जाने वाले तीन गुणों की व्याख्या करें?

2a) क्या जीवात्मा नियंत्रित अथवा स्वंतत्र है, अथवा दोनो का संयोग है? स्पष्ट किजिए कि जीवन मे किस प्रकार स्वतंत्र इच्छा और पूर्व निश्चित भाग्य साथ–2 चलते है।

3a) कर्म, विकर्म और अकर्म क्या है?

4a) आठ भौतिक तत्व क्या है?

5a) पाँच ज्ञानेंद्रियाँ उनके विषय और 5 कर्मेद्रियों की व्याख्या किजिए?

6a) मन बुद्धि और मिथ्या अंहकार का क्या कार्य है?

7a) ग्रह प्रणाली के आधार पर ब्रहमांड की आधारभूत संरचना का स्पष्टीकरण कीजिए? इस संरचना मे पृथ्वी की स्थिति बताइए?

8a) जीवन की विभिन्न योनियों को स्पष्ट किजिए। वह कितनी और क्या है? किस प्रकार आत्मा नीचे स्तर की योनियों से उपर मनुष्य शरीर प्राप्त करती है?

9a) मृत्यु के समय किस प्रकार से देहान्तरण होता है?

10a) कर्म क्या है? कर्म के नियम किस प्रकार जीवात्मा को प्रभावित करते है?

11a) धार्मिक और अधार्मिक गतिविधियों के क्या परिणाम है? धार्मिक और अधार्मिक गतिविधियों का उदाहरण देते हुए उनके प्रभावों को स्पष्ट किजिए?

12a) देवी–देवता कौन है? किन्ही पाँच देवी–देवताओं के नाम गुण और कार्यों की व्याख्या किजिए?

13a) वर्णाश्रम धर्म क्या है? प्रत्येक वर्ण और आश्रम के क्या कर्तव्य है? आपकी समझ से इस तन्त्र मे आपकी स्थिति कहाँ और क्या है? प्रत्येक वर्ण के लिए क्या आश्रम है और इस आश्रम के अंर्तगत आने वाली अपनी स्थिति का वर्णन करो?

14a) वैदिक प्रद्धति के अनुसार ब्रह्मा के जीवनकाल का वर्णन किजिए? हमारे जीवनकाल के अनुसार ब्रह्मा के एक दिन की गणना किस प्रकार की जाती है? युग, उनके समयकाल और प्रत्येक युग मे आध्यात्मिक प्रगति किस प्रकार की जा सकती है स्पष्ट किजिए?

15a) कलयुग के विशिष्ट गुणों का वर्णन किजिए? कलयुग का व्यक्तित्व कौन है और श्रीमदभागवतम उनके बारे मे क्या बताती है? कलयुग के गुण व दोषो का वर्णन किजिए?

B. आत्मा व परमात्मा के विषय मे

1b) आत्मा के गुणों का वर्णन करो? भौतिक शरीर और आत्मा के गुणों मे क्या अन्तर है?

2b) भगवदगीता के श्लोक 'देहिनोऽस्मिन्यथा देहे' के आधार पर स्पष्ट किजिए कि किस प्रकार आत्मा एक शरीर से दूसरे शरीर मे स्थानान्तरित होती है?

3b) परमात्मा के कार्यों को। 'ईश्वरः सर्वभूतानां, सर्वस्य यानमहदिसन्निविस्थों' के आधार पर स्पष्ट किजिए? अगर आप संस्कृत श्लोक नही जानते, परमात्मा के बारे मे स्पष्ट करते हुए उत्तर दिजिए?

4b) परमात्मा किस प्रकार बद्धजीवात्मा के कर्मो को नियंत्रित करता है?

5b) 'पेड पर दो पक्षी बेठे है' क्या उदाहरण है और इसका विवरण क्या है?

ब्राह्मण दीक्षा के लिये प्रस्ताव

मै हरिनाम दीक्षा क्यों लेना चाहता / चाहती हुँ।

आध्यात्मिक गुरू को यह स्पष्ट करते हुए प्रस्ताव लिखिए कि आप उनसे ब्राह्मण दीक्षा क्यों लेना चाहते है और वह आपको ब्राह्मण दिक्षित शिष्य के रूप मे क्यों स्वीकार करें। आप ब्राह्मण दीक्षा के महत्व और उसकी प्रतीज्ञा को स्पष्ट किजिए। आप यह भी स्पष्ट किजिए की आप किस प्रकार श्रील प्रभुपाद के आंदोलन हरिनाम संकीर्तन को पूरे विश्व मे फैलाने के लिए एक ब्राह्मण दिक्षित शिष्य के रूप मे महाराज का सहयोग करेंगे। आप यह भी स्पष्ट करे की ब्राह्मण दीक्षा के बाद किस प्रकार आप शिष्य के रूप मे अपना रिश्ता और ट्रढ बनायेगे। आप नीचे दिए गए स्थान या एक अलग पृष्ठ का प्रयोग कर सकते है।